

16/12/19 क. प्राची इका शेष अत्रार्थी नाशिक
 के बापपुत्र की अशुभपरिस्थिति
 अतः इनके विरुद्ध एक पत्नीय
 कायवासी अगम के जारी
 जारी है क. प्राची की वद्वय
 खुली है प्राची का प्राचीय
 पत्र अन्तर्गत द्वारा 130 L रिनि व

का पेश कर विवेक किना

बकि प्राचीशिव का बापडी
 गोपीनाथ सहस्रीय चौक के
 रहने वाले है बाकि का बापडी
 गोपीनाथ सहस्रीय चौक के

प्राचीशिव की लडजे कार

क- अवातेडारी कृगि-रफ- क-

704/ 684 रकवा 0.2 है रफेन

715 रकवा 0.01 है, रफ. वा

716 रकवा 6.17 है - कुग

रकवा - उका अगम रकवा

6.34 है विचार है जिवजने

पशुपारी दण्ड गड मिण्ड

के अशुभाशुभ दिनांक 12/6/2019

12

फर्द अहकाम

जगन्नाथ वर्मा बनाम साधु प्री ब्रह्मण

म न्यायालय

स संख्या 88/12

आ. पत्र 130 2. 12. 07

| म संख्या | दिनांक आदेश या कार्यवाही | आदेश विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|----------|--------------------------|---|-------------|
| | | <p>को किया गया तथा उत्तरीक मीनादा के आदेश पर एच. ए. की पत्थरगद्दी करवाते हुए न्यायालय चीफ के आदेश प्राचीन पत्र पेश करवाते हुए न्यायालय चीफ के आदेश आ. पत्र पेश किया गया जो आ. पत्र उक्तकी जगन्नाथ वर्मा बनाम साधु प्री वर्मा 0 सु. नं. 46/2010 की पूर्ण सुनवाई कर न्यायालय चीफ द्वारा दिनांक दिनांक 19/10/2011 को किया जाकर उत्तरीक दिनांक अनुसार सहस्रीमदार चौक को किया जाकर उत्तरीक दिनांक अनुसार सहस्रीमदार चौक को पत्थरगद्दी करने के आदेश दिए गये थे। तथा सहस्रीमदार चौक के आदेशक कर्मचारी पञ्चायत हमका वरुण मिश्र व पटवारी हमका हमका हमका व गिरदावर हमका द्वारा दिनांक 23/5/2012 को पत्थरगद्दी की जाते तथा नके पर सही गाय कर पत्थर गैड गये।</p> | |

M

फर्द अहकाम

जगन्नाथ पत्रा बनाम माण्डवी व

नाम न्यायालय

केस संख्या 88/2017

पत्रा पत्र 130/AA/17

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|-------------|---------------------------|--|-------------|
| | | <p>तथा प्राचीनिक के रूप में अति- दावी कृमि के सुत्वावक पल्पवगरी अनुसार चारों तरफ लगे के बारे में बारबन्दी की बाहू थी। तथा प्राचीनिक रूप में स्थापित व कल्पेकोरत की कृमि का हर प्रकार से उपयोग उपभोग कर कारत करते चले जा रहे थे।</p> <p>अप्राचीनिक जो कि बेबाक के अधिक होने से प्राचीनिक से हीपस इवर्त व तथा प्राचीनिक को काश्त कारफरने व प्राचीनिक की परिचयनी सीमा पर लगी बारबन्दी को कृमि पर जबरन अतिक्रमण करने की नियत से दिनांक 4/7/2017 को परिचयनी सीमा पर लगी बारबन्दी को व पल्पवे को उखाड़कर योरी की नियत से अप्राचीनिक । गवायत 6 मी अधिक व बारबन्दी को उखाड़कर इसे अति निवृत्त पाग कारती होने पर प्राचीनिक के परत इवत दिनांक 5/7/17 को अप्राचीनिक के निवृत्त विपोर्टे चालू होगि-इवत</p> | |

फर्द अहकाम

जमानगाथ के बनाव सामपुरी व इन्फ

म न्यायालय

स संख्या 88/2017

घा.पत्र 130 LRA 17

| म संख्या | दिनांक आगा या कार्यवाही | आगा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|----------|-------------------------|--|-------------|
| | | <p>इपे क रवायी अहि ह्ये पत्यरगडी इस्पाड मे राये/क लारवन्डी को मोड इपे निक्के प्राचीणिण की क्वणि की सुरक्षा गही हो पा रही है तथा नपेकी नागकर फुला का एकसाथ कर रहे है तथा प्राचीणिण को इका पत्यरके को इक्का हिये से माफी एकसाथ हुआ है</p> <p>अता प्राचीण-पत्र रूप आपक पत्र पेडा कर विवेक है एक प्राचीणिण का प्राचीण पत्र स्वीकार करणाम जाकर प्राचीण-पत्र के वीणि क्वणि विवाड असा अफ.न 704/2017 अकवा 0.22 है 0, अफ.न 715 अकवा 0.01 है 0, अफ.न 716 अकवा 6.17 है 0, कुल किल-1 का कुल अकवा 6.39 है 0</p> <p>अतः वापसी जो प्रीनाथ लहरीण वीणि की क्वणि की नयावाम्य वीणि के अउबाइ सार अत्राची अशया 7 इका की अहि पत्यरगडी के परिचय वीणि के इपत्यरके को फुला विणि कवायत जाकर फुला लारवन्डी कवायत पावे</p> | |

